।। श्री गणेशाय नमः ।।

हिन्दी पाक्षिक Fort Nightly

Baat Hindustan ki

बात हिन्दुस्तान की

Baat Hindustan Ki

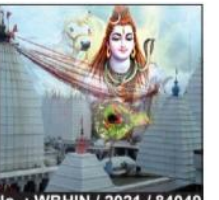

R N I No. : WBHIN / 2021 / 84049

● विक्रम संवत 2081 श्रावण कृष्ण पक्ष द्वादशी, 1-15 अगस्त 2024 , 1-15 August 2024, ● वर्ष 4 (Year-4), ● अंक 6 ● पृष्ठ 4 (Page-4) ● मूल्य रु. 2 (Price 2/-)

बस... अब और नहीं महंगे मोबाइल रिचार्ज!

बीएसएनएल सिम खरीदने की मची होड़, सरकार ने सेट कर दी डेट, मोबाइल यूजर्स की बल्ले-बल्ले

नई दिल्ली : केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्या सिंधिया की तरफ से बीएसएनएल को लेकर एक बयान जारी किया गया है, जो मोबाइल यूजर्स के चेहरे पर खुशी लौटा सकता है। दरअसल सरकार की तरफ से दावा किया गया है कि बीएसएनएल के यूजरबेस में इजाफा दर्ज किया गया है। मतलब नई बीएसएनएल सिम खरीदने या फिर बीएसएनएल में सिम पोर्ट कराने की होड़ मच गई है। जबकि कुछ वक्त पहले तक हालात अलग थे। जियो, एयरटेल और वोडाफोन-आइडिया के रिचार्ज प्लान महंगे होने से पहले तक बीएसएनएल के यूजरबेस में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मतलब साफ है कि यूजर्स बीएसएनएल नेटवर्क की तरफ लौटाना शुरू कर दिया है। आंकड़ें भी इस बात की गवाही दे रहे हैं। मोबाइल यूजर्स के बीएसएनएल की तरफ लौटने से सरकार भी काफी खुश है। साथ ही सरकार को

बीएसएनएल को ट्रैक पर लौटने को लेकर एक बड़ा मनोवैज्ञानिक बूस्ट मिल सकता है। यही वजह है कि सरकार ने सरकारी टेलिकॉम कंपनी भारतीय संचार निगम लिमिटेड यानी की ओवरहॉलिंग का प्लान बनाया है। मतलब सरकार पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर में बड़ा बदलाव करने की सोच रही है, जिससे यूजर्स को अच्छी नेटवर्क क्वॉलिटी मिले। इससे यूजर्स लंबे वक्त तक बीएसएनएल के साथ जुड़े रहेंगे। सरकार के प्लान के मुताबिक बीएसएनएल का 4 नेटवर्क तैयार हो चुका है। साथ ही सरकार ने एक बड़ा दावा किया है कि इसी 4 नेटवर्क को 5जी में भी कन्वर्ट किया जा सकेगा। पत्रकारों से बात करते हुए मंत्री ने कहा कि वो पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के तहत के नेटवर्क में बदलाव कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि का स्वदेशी 4 नेटवर्क तैयार है, जिसे अगले कुछ माह में देशभर में उपलब्ध करा दिया जाएगा। बता दें कि सोशल मीडिया पर लंबे वक्त से लोग पूछ रहे थे कि जब एयरटेल, जियो और वोडाफोन-आइडिया की ओर से 4जी नेटवर्क को रोलआउट कर दिया गया है, तो जियो ने 4जी क्यों रोलआउट नहीं किया है? तो सरकार ने कहा कि यह सरकार की प्रतिज्ञा थी कि अगर हम एक सरकारी टेलिकॉम कंपनी चलाते हैं, तो हमें किसी भी हालात में चीन या किसी अन्य विदेशी देश की टेक्नोलॉजी और 5जी साधनों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसलिए सरकार घरेलू स्वदेशी 4जी टेक्नोलॉजी पर काम कर रही थी। सिंधिया की मानें, तो पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के तहत भारत में स्वदेशी 4जी , कोर सिस्टम और टॉवर, जिसे रेडिएशन एक्सेस नेटवर्क कहा जाता है, उसे विकसित किया गया है। यह 4 नेटवर्क सिस्टम देशभर में अगले 6 या 12 माह में उपलब्ध करा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत जल्द ही स्वदेशी 5जी नेटवर्क को लॉन्च करेगा। इस मामले में काफी हद तक प्रगति हो चुकी है।

देशभर में 4जी मोबाइल टॉवर लगाने का काम शुरू हो गया है। साथ ही भारतीय फर्म जैसे तेजस नेटवर्क, सी-डॉट और टीसीएस को इस मामले में लगातार काम कर रही हैं, जिससे बीएसएनएल को अपने स्वदेशी 4जी नेटवर्क पर खड़ा किया जा सके। सरकार की मानें, तो इस साल अक्टूबर के आखिर तक 80 हाजर टॉवर लगा दिए जाएंगे। साथ ही बाकी 21 हजार टॉवर को मार्च 2025 तक लगाया जाएगा। मतलब मार्च 2025 तक एक लाख टॉवर लगा दिए जाएंगे।

ट्रेन के 3 घंटे से ज्यादा लेट होने पर पा सकते हैं रिफंड

भारतीय रेल एशिया का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है, जिसमें पिछले साल लगभग 648 करोड़ लोगों ने यात्रा की है। वैलिड ट्रेन टिकट वाले यात्री को उपभोक्ता संरक्षण कानून 2019 के अनुसार उपभोक्ता मानते हुए उन्हें अनेक कानूनी अधिकार मिले हैं।

टिकट और रिजर्वेशन-

अगर ट्रेन नियत समय से 3 घंटे से ज्यादा लेट हो और यात्रा कैंसिल करनी पड़े तो टीडीआर (टिकट डिपोजिट रिसिप्ट) फाइल करके टिकट का पूरा रिफंड क्लेम किया जा सकता है। अगर यात्रा शुरू करने के बाद ट्रेन ज्यादा लेट हो जाए, ट्रेन रद्द होने की सूचना यात्री को नहीं मिले, ट्रेन डायवर्ट होने पर कनेक्टिंग ट्रेन नहीं मिले तो इस पर भी हर्जाने की मांग की जा सकती है। कन्फर्म रिजर्वेशन होने के बाद किसी और को सीट अलॉट होने को भी सेवा में कमी मानते हुए उपभोक्ता अदालतों ने हर्जाना देने के कई आदेश दिए हैं।

खान-पान और एसी -

रेलवे में अनाधिकृत वेंडर्स को सुरक्षा से खिलवाड़ के साथ सेवा में कमी माना गया है। गंदी बेडशीट, कम्बल या गंदे टॉयलेट की शिकायत 138 नम्बर पर की जा सकती है। सफर के दौरान पंखा या एसी नहीं चलने को सेवा में कमी मानते हुए उपभोक्ता अदालत ने 1991 में रेलवे को हर्जाना देने का

आदेश दिया था। खाने में गंदगी और कीड़ा मिलने और सॉफ्ट ड्रिंक को एमआरपी से ज्यादा दाम पर बेचने जैसे मामलों को शारीरिक और मानसिक यंत्रणा मानते हुए उपभोक्ता अदालतों ने रेलवे को हर्जाने देने के आदेश दिए हैं।

यात्री सुरक्षा और चोरी-

सुप्रीम कोर्ट ने 2004 के फैसले में रेलवे अधिनियम 1989 की धारा-124-ए के तहत रेलवे प्रशासन को चोरी की घटनाओं के लिए जिम्मेदार माना था। कम्पार्टमेंट में अनाधिकृत व्यक्तियों के प्रवेश और उसकी वजह से असुरक्षा और चोरी को छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता आयोग ने रेलवे विभाग की सेवा में कमी माना था। लेकिन महाराष्ट्र राज्य उपभोक्ता आयोग ने रेलवे अधिनियम की धारा-100 के तहत ऐसे मामलों में रेलवे को जिम्मेदार नहीं माना है। सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में कहा कि यात्रियों को अपने सामान की सुरक्षा की जिम्मेदारी खुद लेनी चाहिए। जबकि एक अन्य फैसले के अनुसार चोरी की जवाबदेही और हर्जाना क्लेम करने के लिए रेलवे प्रशासन की लापरवाही या मिसकंडक्ट प्रूफ करना जरूरी है। दुर्घटना में घायल यात्रियों और मृत यात्री के परिजनों को रेलवे से हर्जाना मिलता है। घायल यात्रियों को अस्पताल में भर्ती होने पर मेडिकल खर्च के लिए भी प्रावधान है।

शिकायत और हर्जाने की ऐसी है पूरी प्रक्रिया-

कानून की धारा-2 (11) में सेवा में कमी मानते हुए धारा-2(6)(iii) के अनुसार जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। धारा-34 में क्षेत्राधिकार निर्धारित है। इसके अनुसार जहां पर वारदात हुई हो या जहां शिकायतकर्ता रहता हो, वहां की उपभोक्ता अदालत में ऑनलाइन तरीके से शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। 5 लाख रुपए तक के मामलों में किसी तरह की कोर्ट फीस का भुगतान नहीं करना पड़ता। वकीलों के बगैर शिकायतकर्ता खुद ही आयोग के सामने बहस कर सकता है। शिकायतों के समयबद्ध निस्तारण के लिए कानून में प्रावधान हैं। जिला आयोग से राहत नहीं मिलने पर राज्य आयोग और फिर राष्ट्रीय आयोग में अपील की जा सकती है।

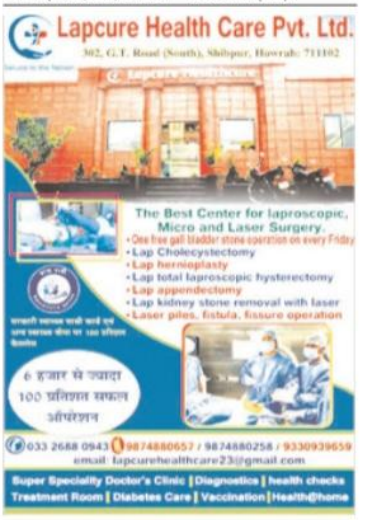

भगवान शिव को क्यों बेहद प्रिय है बेलपत्र? जानें शिव पूजा में बेलपत्र का महत्व

कोलकाता : हिंदू धर्म में सावन मास का विशेष महत्व है क्योंकि सावन का महीना भगवान शिव का प्रिय मास है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पूरे साल शिव पूजा से जो पुण्य फल मिलता है, वह सावन सोमवार में भगवान शिव का जलाभिषेक और बेलपत्र अर्पित करने से प्राप्त होता है। सावन सोमवार का व्रत करने और भगवान शिव की विधिवत रूप से पूजा अर्चना करने पर जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और मनोवांछित फल की प्राप्ति होती है। सोने पर सुहागा यह है कि इस बार सावन के पहले सोमवार पर एक या दो नहीं बल्कि पांच अद्भुत योग में भगवान शिव की पूजा की जाएगी। धार्मिक मान्यता है कि सावन के महीने में देवों के देव महादेव को नियमित रूप से बेलपत्र चढ़ाने से उनकी कृपा प्राप्ति होती है. ऐसा कहा जाता है कि शिवजी को बेलपत्र सबसे प्रिय है. बेलपत्र कभी भी अशुद्ध नहीं होता है. शिवजी की पूजा में बेलपत्र का इस्तेमाल क्यों किया जाता है, आइए आपको बताते हैं। हिंदू धर्म में भगवान शिव शीघ्र प्रसन्न होने वाले देवता कहलाते हैं. महादेव का स्वभाव भोला है, इसलिए उन्हें भोलेनाथ भी कहा जाता है. ऐसा कहा जाता है कि जो भी भक्त पूर्ण श्रद्धाभाव से भगवान शिव की पूजा-करता है, उसकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है. महादेव सच्चे मन से पूजा-अर्चना करने पर ही प्रसन्न हो जाते हैं, लेकिन शिवजी को उनकी प्रिय चीजें चढ़ाकर विशेष फल प्राप्त किया जा सकता है. ऐसा कहा जाता है कि बेल के पेड़ की जड़ में गिरिजा, तने में महेश्वरी, शाखा में दक्षायनी, पत्ती में पार्वती और फूल में देवी गौरी का वास होता है.

जल्द ही सावन का महीना शुरू होने वाला है. सावन का महीना पूरी तरह से भगवान शिव को समर्पित माना गया है. आषाढ़ माह के खत्म होने के बाद सावन महीना शुरू होता है.वैसे तो भगवान शिव को बहुत-सी चीजें चढ़ाई जाती हैं, लेकिन भगवान शिव को बेल पत्र बेहद ही प्रिय माना गया है, इसलिए बेलपत्र चढ़ाने से शिव जी प्रसन्न होते हैं और भक्तों की हर मनोकामना पूरा करते हैं. भगवान शिव की पूजा में बेलपत्र का इस्तेमाल जरूर किया जाता है. आइए जानते हैं कि भगवान शिव और बेलपत्र का क्या संबंध है और इसे चढ़ाने के क्या नियम हैं.

बेलपत्र से जुड़ी पौराणिक कथा

शिवपुराण के मुताबिक, समुद्र मंथन से निकले विष से संसार संकट में पड़ गया और कोई भी उस विष को ग्रहण करने के लिए तैयार नहीं हुआ. इसके बाद सभी देव-दानव शिव जी के पास इस समस्या का हल निकालने के लिए पहुंचे. तब भगवान शिव ने संसार की रक्षा के लिए उस विष को अपने गले में धारण कर लिया. इससे शिव के शरीर का तापमान बढ़ने लगा और उनका गला निला पड़ गया। शिवजी के शरीर का तापमान बढ़ने से ब्रह्मांड में आग लगने लगी, जिसके कारण पृथ्वी के सभी प्राणियों का जीवन कठिन हो गया. सृष्टि के हित में विष के प्रभाव को खत्म करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव को बेलपत्र दिए. बेलपत्र खाने से विष का प्रभाव कम हो गया. ऐसा कहा जाता है कि तभी से भगवान शिव को बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा शुरू हुई.

शिवजी को बेलपत्र चढ़ाने के नियम

भगवान शिव को बेलपत्र चढ़ाने के लिए भी शास्त्रों में कुछ नियम बताए गए हैं जो कि इस प्रकार हैं.

- *भगवान शिव को बेलपत्र हमेशा चिकनी सतह की तरफ से ही चढ़ाना चाहिए.*
- *भगवान शिव को कभी भी कटे हुए बेलपत्र नहीं चढ़ाने चाहिए.*
- *भगवान शिव को बेलपत्र 3 पत्तों से कम नहीं चढ़ाने चाहिए.*
- *हमेशा विषम संख्या जैसे 3,5,7 में ही बेलपत्र चढ़ाने चाहिए.*
- *3 पत्तों वाले बेलपत्र को शिवजी के त्रिदेव और त्रिशूल का रूप माना जाता है.*
- *बेलपत्र हमेशा मध्यमा, अनामिका उंगली और अंगूठे से पकड़कर ही शिव जी को चढ़ाना चाहिए.*

ऐसा कहा जाता है कि बेलपत्र कभी अशुद्ध नहीं होता है, इसलिए पहले से अर्पित किए हुए बेलपत्र को धोकर फिर से भोलेनाथ को चढ़ाया जा सकता है. बेल पत्र चढ़ाने के बाद जल से शिवलिंग का अभिषेक जरूर करना चाहिए. मान्यता है कि इन नियमों के अनुसार बेल पत्र चढ़ाने से शिवजी जल्दी प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं.

दीपावली के बाद हावड़ा व बाली का चुनाव!

हावड़ा : बिल राज्य विधानसभा में पारित हो चुका है लेकिन राज्यपाल इस पर हस्ताक्षर नहीं कर रहे हैं पिछले 22 महीनों से राजभवन में बिना किसी कारण के 6 विधेयक अटके हुए हैं इसमें हावड़ा और बाली नगर निगम पुनर्गठन विधेयक शामिल है यह बिल जगदीप धनखड़ के समय से ही रुका हुआ है, जिसके कारण राज्य सरकार इन दोनों शहरों में उप-चुनाव नहीं करा पा रही है पश्चिम बंगाल सरकार ने कोई अन्य विकल्प न देख आखिरकार सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच ने शुक्रवार को उस मामले में राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ नोटिस जारी किया हालांकि, नवान्न की ओर से दायर इस मामले में राज्यपाल के सचिव को प्रतिवादी बनाया गया है इसलिए उनके नाम पर नोटिस जारी किया गया है गृह मंत्रालय से भी रिपोर्ट मांगी गई है इस मामले में दोनों पक्षों को 21 दिन के अंदर जवाब देना है तीन हफ्ते बाद मामले की अगली सुनवाई 20 अगस्त को है और इसी निर्देश के चलते अब नवान्न के अधिकारियों का दावा है कि अगर इस मामले को जल्द सुलझा लिया गया तो राज्य प्रशासन त्योहारी सीजन के बाद हावड़ा और बाली में चुनाव कराने की राह पर चलेगा नवान्न सूत्रों के मुताबिक, प्रशासन अब इस बात की पुष्टि कर रहा है कि हावड़ा नगर निगम के 50 वार्डों और बाली नगर पालिका के 35 वार्डों में मतदान में कोई कानूनी अड़चिलता तो नहीं है जैसे ही सुप्रीम कोर्ट कल के मामले में फैसला सुनाएगा और राज्यपाल विधेयक पर हस्ताक्षर करेंगे, तब राज्य सरकार हावड़ा और बाली में उपचुनाव की राह पर होगी लेकिन तृणमूल जमाने के दौरान बाली को हावड़ा नगर निगम के साथ मिला दिया गया वहां के 35 वार्डों को 16 वार्डों में पुनर्गठित किया गया और इन 16 वार्डों को हावड़ा नगर निगम के 50 वार्डों में मिला दिया गया तब हावड़ा नगर निगम के कुल वार्ड 66 थे बाद में राज्य सरकार ने बाली को हावड़ा नगर निगम से अलग कर एक अलग नगर पालिका बनाने का निर्णय लिया यह बिल राज्य विधानसभा में भी पारित हो गया लेकिन जगदीप धनखड़ उस बिल पर हस्ताक्षर करने को राजी नहीं हुए वह बिल अभी भी राजभवन में अटका हुआ है

फर्जी कॉल सेंटर का पर्दाफाश

कोलकाता (संपमित्रा सक्सेना) : नॉर्थ 24 परगना: बैरकपुर पुलिस कमिश्नरेट की अंतर्गत बैरकपुर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने अवैध कॉल सेंटर की किया शटर डाउन। दरसल सूत्रों के आधार पर एसीपी एबी की परिचालन के मुताबिक तेपोरिया, जगदीश घोष इलाके में छापेमारी की गई। बैरकपुर साइबर क्राइम विभाग ने इस दौरान कुल 5 लोगों को गिरफ्तार किया। जमशेद अंसारी, साजिद अंसारी, हसीद अंसारी, शराफत अंसारी, अहमद अंसारी मुख्य अभियुक्त हैं। छापेमारी की दौरान 9 मोबाइल फोन, 25 ए टी एम कार्ड, 6 पेन कार्ड, एपिक कार्ड तथा आधार कार्ड बरामद हुआ। बरामद हुए सामान के बारे में पूछताछ करने पर फर्जी कॉल सेंटर के बारे में पता चला। सभी अभियुक्त पिछले 7 महीने से फर्जी कॉल सेंटर चला रही थी। यह लोग पहले टारगेट सेट करता था। फिर टारगेट की बैंक डिटेल्स निकलता था।

विश्व हिंदू सम्मेलन मिथिला का आयोजन धूमधाम से सम्पन्न

दरभंगा : विश्व हिंदू सम्मेलन मिथिला का आयोजन गोई मिश्रा लगमा, थाना घनश्यामपुर, जिला दरभंगा, बिहार में श्री रामेश्वर नाथ महादेव मंदिर के जीर्णोद्धार की बेला पर डॉ शशि नाथ झा पूर्व कुलपति कामेश्वर सिंह संस्कृत विश्वविद्यालय दरभंगा के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में श्री राम आश्रम (कनक भवन के बगल में) अयोध्या के स्वामी श्री जय राम दास जी महंत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए भव्य भारत के निर्माण में भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए पूज्य शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज के अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया। संतों एवं कथा वाचकों से आग्रह किया हिंदू को संगठित करने के लिए धरातल पर उतरे, भारतीय परंपरा को जगावे उनका कहना था सिर्फ मठ मंदिर बनने से शिष्यों को दीक्षा देने से हिंदुत्व नहीं बचेगा, इसलिए उन लोगों को आगे आकर जमीन पर काम करना पड़ेगा।

नेपाल पोखरा से पधारे हुए विश्व हिंदू महासंघ नेपाल के वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री शंकर कराल ने नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करवाने के अपने प्रयासों पर विस्तृत जानकारी दिया। उन्होंने कहा दो महीना के अंदर ही नेपाल में सभी हिंदू-वादी संगठन संगठित होकर व्यापक आंदोलन हिंदू राष्ट्र के लिए करेंगे। बीरगंज नेपाल से आए हुए डॉक्टर अनिल झा जी ने नेपाल में शंकराचार्य जी महाराज के द्वारा संस्थापित परिषद परिषद एवं आदित्य वाहिनी नेपाल के द्वारा नेपाल को हिंदू राष्ट्र बनाने के प्रयास के बारे में जानकारी दी। पोखराम के डॉ रमाशंकर दास जी ने हिंदुओं को संगठित करने के लिए इस तरह के आयोजन सभी क्षेत्रों में हो, उस पर बल दिया । पीठ परिसद बिहार के श्री राजाराम शर्मा गया ने शंकराचार्य जी के अभियान को तन मन धन से सहयोग करने का लोगों से निवेदन किया। रामकृपाल दास जगदीश नारायण ब्रह्मचारी स्थान लगमा के महंत ने भी कार्यक्रम के सफलता के लिए लोगों को धन्यवाद दिया। प्रोफेसर डॉक्टर श्री शंकर झा ने भारत सरकार पर हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए व्यापक आंदोलन करने का विचार व्यक्ति किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉक्टर रामसेवक ठाकुर ने संयोजक श्री प्रेमचंद्र झा जी से अपील किया कि ऐसे आयोजन से हिंदुओं में जनजाति होगी, लोगो पर व्यापक असर पड़ेगा। कार्यक्रम के संयोजक श्री प्रेमचंद्र झा ने सनातन मान बिंदुओं के रक्षा के लिए गोवर्धन मठ पुरी के शंकराचार्य स्वामी निश्चलानंद सरस्वती जी महाराज के अभियान को जन जन तक पहुंचाने के लिए माता एवं बच्चों में भारतीय परंपरा एवं सनातन संस्कृति के लिए निवेदन किया। उन्होंने कहा इस कार्यक्रम में देश-विदेश के बहुत सारे हिंदू संगठनों द्वारा सराहना किया गया, शुभकामना भेजा गया, क्योंकि विश्व में पहला प्रयास है हिंदुओं को जागृत करने के लिए गांव में प्रयास किया गया है जिसका मुख्य उद्देश्य है आज भी भारत में 80 पर्सेंट लोग गांव में रहते हैं यदि भारत का गांव जाग गया वह दिन दूर नहीं जब भारत हिंदू राष्ट्र होगा एवं सनातन परंपरा से शासन होगा।

इस कार्यक्रम में देश-विदेश से कई प्रतिनिधि भाग लिए जिसमें सिद्धार्थ मिश्रा लिधुआनिया, अनु भारद्वाज पुणे महाराष्ट्र, अशोक तिवारी बोकारो झारखंड, आदित्य विक्रम झा कोलकाता, पुरुषोत्तम मिश्रा अयोध्या, ओम तिवारी लखनऊ,बबुआ जी अयोध्या, दीपक श्रेष्ठ नेपाल, कंचन मिश्रा लिधुआनिया, मनमोहन जी नेपाल, कृष्ण भारद्वाज पुणे महाराष्ट्र, डॉ घनश्याम झा ,विष्णु कांत झा, अमरनाथ झा, गोपाल जी झा, पीतांबर झा ,बबलुकांत झा, कमलेश झा, धनंजय शर्मा, राजीव सिंह, रमन खान, सुखन चौपाल सरपंच ,कांति शर्मा, विकास चौधरी ,पवन कुमार झा, धीरेंद्र झा मुखिया, डॉ जयप्रकाश, देवेंद्र झा, पल्टु झा ,इंद्र कुमार झा, अमरनाथ मिश्रा, सुबोध झा, मनोज कुमार शर्मा ,श्याम जी झा, मोहन झा, मणिकांत झा, बिंदेश्वर झा, दिगंबर झा, दिनेश झा, राम चल झा ,धीरज झा एवं अन्य काफी सक्रिय रहे। मैथिली गायक ऋषभ भारद्वाज एवं हिंदी के गायक श्री गोपाल जी ने लोगों को अपने भजन से धर्म एवं राष्ट्र के प्रति प्रोत्साहित किया। अनेक देशों से हिंदू संगठनों ने विश्व हिंदू सम्मेलन मिथिला के सफलता के लिए शुभकामना दिए एवं ऐसे कार्यक्रम ज्यादा से ज्यादा शहर एवं गांव में करके भारत सरकार पर हिंदू राष्ट्र घोषित करवाने का प्रयास करें।

मानवाधिकार फ़ोरम ने ट्रेनों में अनियंत्रित भीड़ को लेकर मंत्रालय से लगाई गुहार

नई दिल्ली : हमारे देश के पूर्व क्षेत्र में छठ का त्योहर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। इस पर्व को मनाने के लिए प्रदेश से बाहर रहने वाले लोग अपने घरों के लिए जरुर जाते हैं। ऐसे में ट्रेनों में यात्रियों की भीड़ टूट पड़ती है। छठ पर्व में अभी चार महीने का वक्त बाकी है, लेकिन पूर्व के क्षेत्रों में जाने वाली सभी ट्रेनों का एडवांस बुकिंग हो चुकी है और वेटिंग लिस्ट में टिकट मिलना भी बंद हो गया है। सूत्रों का कहना है कि छठ के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को ध्यान में रखते हुए जल्द ही विशेष ट्रेनों की योजना तैयार की जाएगी, लेकिन विशेष ट्रेनों में भी यही हाल रहती है और टिकट मिल भी जाए तो गाड़ीयां तय समय से काफी विलम्ब रहती या ट्रेने रद्द कर दी जाती है।

इस संवेदनशील मामले को राष्ट्रीय मानवाधिकार एक्शन फ़ोरम के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी व समाजसेवी ईं आरके जायसवाल ने रेल मंत्री, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व सांसद जनप्रतिनिधियों को एक आग्रह पत्र लिखकर ध्यानाकर्षित कराते हुए कहा है कि इस रूट की सभी ट्रेनें फूल हो गई है और अब सीटों के आरक्षण को लेकर रेलवे ने खेद प्रकट कर रहे हैं। ज्ञातव्य हो कि कुछ साल पूर्व स्टेशनों पर अनियंत्रित भीड़ कि बजह से कई बार जान माल कि नुकसान भी हो चुकी है और अब यह ज्यादा संवेदनशील दिखाई दे रहा है। गौरतलब हो कि इस रूट में सभी ट्रेनों में भीड़ पूरे साल बना रहता है जिससे टिकट नहीं मिलता है, साल के किसी भी समय में महिनों पहले सभी ट्रेनें फूल होती है और कभी कन्फर्म टिकट मिल जाए तो ऐसा प्रतीत होता है कि हम कोई परिक्षा पास कर गए। पत्र में अनुरोध पर देते हुए कहा कि मामले को गंभीरतापूर्वक संज्ञान में लेते हुए इस विषय पर चिंतन कर जल्द से जल्द आवश्यक निर्देश दिया जाएं ताकि इस रूट पर यात्रा में कठिनाई ना हो और जान-माल कि रक्षा भी हो सके। साथ ही पत्र में यह ध्यान आकर्षित कराते हुए कहा है कि सुचारू रूप से अधिक से अधिक ट्रेनों की संचालन से देश के राजस्व वृद्धि में भी काफी इजाफा होगा। इन सभी बातों व अनियंत्रित भीड़ को ध्यान में रखते हुए इस सभी रूटों पर आधारभूत संरचना के साथ-साथ स्थायी नई ट्रेनों को चलाने कि मांग कि गई है।

हावड़ा सदर सब जूनियर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया

हावड़ा : हावड़ा सिटी पुलिस ने हावड़ा सदर सब-जूनियर (अंडर-15) क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के लिए एक सम्मान समारोह का आयोजन किया। आज उस टूर्नामेंट के विजेताओं को शिवपुर पुलिसलाइन के कॉन्फ्रेंस हॉल में सम्मानित किया गया. माननीय श्री देवेन्द्र कुमार सिंह, आईपीएस, आईजी, यातायात, माननीय नगरपाल श्री प्रवीण कुमार त्रिपाठी, आईपीएस महाशय, माननीय उपायुक्त हावड़ा डॉ दीपप प्रिया पी, आईएएस महाशय और हावड़ा सिटी पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

तनिष्क शोरूम में करोड़ की लूट

पूर्णिया : बिहार में अपराध की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। अब तनिष्क शोरूम से भरी दोपहरी में करोड़ों की लूट को अंजाम देकर अपराधी भागने में कामयाब रहे । भागने के क्रम में एक की पिस्टल गिर गई । बिहार के मुख्यमंत्री अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस पर लगातार दबाव बना रहे हैं, लेकिन पुलिसिया सिस्टम की नाक के नीचे अपराधी लगातार बड़ी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। इस बार पूर्णिया तनिष्क शोरूम में हथियार के बल पर चार से छह अपराधियों ने करोड़ों की लूट की घटना को अंजाम दिया है। घटना दिन के 12 बजे के आसपास हुई है। ब्रांडेड ज्वेलरी शोरूम में घटना को अंजाम देने के बाद चारों अपराधी बाइक से फोर्ड कंपनी की ओर भाग गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार भागने के क्रम में एक अपराधी की बाइक का संतुलन बिगड़ गया। वह सड़क पर गिर गया, लेकिन आनफानन में भाग भी निकला। भागने के क्रम में उसकी पिस्टल सड़क पर गिर गई । पुलिस दो से तीन करोड़ की लूट बता रही, हालांकि कर्मचारियों ने 20 करोड़ के जेवरात लूटे जाने की जानकारी दी है।

भाजपा नेता प्रभात झा निधन से मध्य प्रदेश से बिहार तक फैली शोक की लहर

गुरुग्राम : 67 साल की उम्र में भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा का निधन हो गया. पिछले एक महीने से प्रभात झा का गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में इलाज चल रहा था.जहा प्रभात झा का निधन हो गया. पिछले लंबे समय से प्रभात झा बीमार चल रहे थे. वहीं, गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था. इस दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली. इस खबर की पुष्टि खुद उनके बेटे ने की. भाजपा के वरिष्ठ नेता के निधन से परिवार और पार्टी के नेताओं में शोक की लहर फैल गई है. बता दें कि प्रभात झा के पार्थिव शरीर को विशेष विमान से उनके पैतृक गांव बिहार के सीतामढ़ी लाया गया, जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया. प्रभात झा मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे. वहीं, ग्वालियर से राजनीति में सक्रिय थे. भाजपा नेता के निधन पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने शोक व्यक्त किया. उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर ट्वीट करते हुए लिखा कि ' वरिष्ठ नेता प्रभात झा के निधन का दुखत समाचार मिला. बाबा महाकाल उनकी दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें.वरिष्ठ भाजपा नेता प्रभात झा के मौत की खबर से मध्य प्रदेश से बिहार तक फैली शोक की लहर।

चिड़ियाघर में नहीं बढ़ रहा बाघों का कुनबा, केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को भेजा गया है एक प्रस्ताव

नंदनकानन की बाघिन बन रही उम्मीद की किरण

कोलकाता : बाघों की वंशावली बुढ़ापे की धुंध में फंसी हुई है अधिकारी अलीपुर चिड़ियाघर में बाघों की संख्या बढ़ाने की उम्मीद कर रहे हैं अधिकारी प्रजनन में सक्षम युवा बाघों और बाघिनों को लाकर शार्दुल परिवार को फिर से आबाद करने की कोशिश कर रहे हैं उस पहल के हिस्से के रूप में, एक और ताज़ा बाघिन तृप्ति नंदनकानन से आ रही है राज्य चिड़ियाघर प्राधिकरण पहले ही केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को एक प्रस्ताव भेज चुका है केंद्र से हरी झंडी मिलने के बाद नंदनकानन की डेढ़ साल की बहू अलीपुर में घर बनाएगी आखिरी बार 2006 में बाघिन कृष्णा और सफेद बाघ अनिर्बाण मिले थे अलीपुर में बाघ के परिवार से इससे अधिक कोई खुशी की खबर सुनने को नहीं मिली कई वर्षों से अधिकारी बाघों के प्रजनन के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं लेकिन सारी कोशिशें नाकाम रहीं

2016 में, चार बाघ-ऋषि, पायल, शीला और शेहाशीष - नंदनकानन से लाए गए थे शीला और शेहाशीष को बाद में उत्तरी बंगाल में बंगाल सफारी भेजा गया वहां उनका एक खुशहाल परिवार था शीला और शेहाशिसे के भी बच्चे हैं परन्तु अलीपुर में कोई शुभ समाचार

न दे सका इसलिए यौवन से भरपूर युवा शेहाशिस को वापस अलीपुर लाने का निर्णय लिया गया उन्हें अलीपुर में पायल और सफेद बाघिन रूपा के साथ एक नया परिवार मिला बेशक, वह परिवार लंबे समय तक खुश नहीं था उसने खुद को दोनों बाघिनों से दूर कर लिया फिर 2019 में रूपा के लिए पटना से एक सफेद बाघ राजा लाया गया उन्होंने अधिकारियों को भी निराश किया अलीपुर में बाघ परिवार लगभग 18 वर्षों से नि:संतान है.रूपा अपनी युवावस्था पार कर चुकी है और अब एक बूढ़ी औरत है पायले की उम्र हो गई है सुंदरबन का रॉयल बंगाल राजा अब एक बूढ़ा बाघ है इनसे प्रजनन नहीं होगा, इसलिए चिड़ियाघर के अधिकारी बाहर से युवा बाघ-बाघिनों का प्रजनन कराने की कोशिश कर रहे हैं शीला और बिबाने के एक बेटे और एक बेटी को पिछले मार्च में बंगाल सफारी से अलीपुर लाया गया था अप्रैल में विशाखापत्तनम के इंदिरा गांधी प्राणी उद्यान से एक सफेद बाघिन लाई गई थी

राज्य चिड़ियाघर प्राधिकरण के सदस्य सचिव सौरभ चौधरी ने कहा, नंदनकानन से एक और बाघिन लाए जाने की उम्मीद है बदले में अलीपुर से जिराफ़ भेजे जायेंगे केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण को एक प्रस्ताव पहले ही भेजा जा चुका है अब बस केंद्र से मंजूरी का इंतजार है अलीपुर चिड़ियाघर के निदेशक शुभंकर सेनगुप्ता ने कहा, बाघ परिवार में एक नए सदस्य का जन्म हुए एक लंबा साल हो गया है वे पुनरुत्पादन की कोशिश कर रहे हैं बहुत से पुराने बाघ बूढ़े हो चुके हैं इसलिए बाहर से बाघ लाकर प्रजनन पर जोर दिया जा रहा है इस वर्ष तीन बाघ आये हैं वे भी छोटे हैं उम्मीद है, वे निराश नहीं करेंगे प्रजनन के अलावा, राज्य वन विभाग ने आनुवंशिक विविधता को महत्व देने के लिए बाघों के आदान-प्रदान की योजना भी अपनाई है राज्य चिड़ियाघर प्राधिकरण को उम्मीद है कि यह काम अगले साल से शुरू हो सकेगा।

माँ की खुशी के आँसू ने कौशल विकास के महत्व को साक्षात किया

हावड़ा : खुशी के पैमाने की कोई सीमा न थी। माँ की खुशी के आँसू हर एक शब्द पर अनमोल मोतियों की तरह टपक रहे थे। माँ अपनी बेटी को साथ लिए अपने हृदय से निकल रहे शब्दों का भाव प्रदर्शन कर रही थी। शब्द-दर-शब्द बढ़ते रहे और आँसुओं के बूंदों की रफ्तार भी बढ़ती गई। एक पल ऐसा भी आया कि शब्द तो विराम हो गए पर खुशी के भाव को आँसुओं ने अत्यंत महत्वपूर्ण बना डाला। नि:शब्द आँसू बहुत कुछ समझा गए। हावड़ा के बेलूर थाना क्षेत्र अंतर्गत स्थित 'भोट बगान ऊर्दू गर्ल्स हाई स्कूल' में आयोजित कौशल विकास प्रशिक्षण प्रमाणपत्र वितरण कार्यक्रम के दौरान इस पल का गवाह बना और एक माँ की खुशी के आँसू ने कौशल विकास के महत्व को साक्षात किया। कौशल विकास क्रम को पूरा करने पर बेटी

की नौकरी लगी। जिससे परिवार को आर्थिक सहारा मिला व जीवन में सकारात्मक बदलाव हुए और आज खुशियाँ उनके साथ है। माँ ने इसका श्रेय हावड़ा नगर निगम प्रशासनिक बोर्ड के सदस्य रियाज अहमद को दे डाला।

बता दें कि हावड़ा नगर निगम प्रशासनिक बोर्ड के सदस्य रेयाज अहमद की सराहनीय कोशिश, कलकत्ता इलेक्ट्रिक सप्लाई कॉरपोरेशन (इंडिया) लिमिटेड के 'एकलव्य' पहल के अंतर्गत वर्ष 2022 से भोट बगान ऊर्दू गर्ल्स हाई स्कूल में कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र का शुभारंभ हुआ जिसमें 'रिटेल' (परचून) और 'सिलाई' (गारमेंट्स) से संबंधित प्रशिक्षण दिए जाते है और कोर्स पूरा होने पर प्रमाणपत्र भी दिया जाता है। वर्ष 2022-23 और 2023-24 में लगभग 280 छात्र-छात्राओं ने कौशल विकास प्रशिक्षण पूरा किया और इनमें से अनेकों ने नौकरियाँ पाई और आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार, समाज, राज्य और देश के विकास में योगदान कर रहे हैं।

भोट बगान ऊर्दू गर्ल्स हाई स्कूल के परिसर में हुए कार्यक्रम दौरान अतिथियों का सम्मान अंगवस्त्र दे कर किया गया। साथ ही कौशल विकास प्रशिक्षण पश्चात नौकरी प्राप्त छात्र-छात्राओं का सम्मान अंगवस्त्र व उपहार देकर किया गया। वहीं 2023-24 वर्ग के लगभग 150 छात्र-छात्राओं को कौशल विकास प्रशिक्षण सम्पन्न करने पर प्रमाणपत्र दिया गया। इस विशेष अवसर पर रियाज अहमद सीईएससी के पदाधिकारीगण, बेलूर थाना के पदाधिकारीगण सहित अन्य लोग मौजूद रहे। साथ ही अभिभावकगण, छात्र और छात्राएं अधिक मात्रा में उपस्थित रहे।

प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का अपना एक ध्वज के साथ प्रमुख पहचान होता है

हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के उसी स्वराज झंडे पर आधारित है, जिसे पिंगली वैंकैया ने डिजाइन किया था। तिरंगे में तीन क्षैतिज पट्टियां हैं, जिनमें सबसे ऊपर केसरिया, बीच में श्वेत तथा नीचे हरेरंग की पट्टी है। ध्वज की लम्बाई या चौड़ाई का अनुपात 3:2 है। श्वेत पट्टी के मध्य गहरे नीले रंग का एक चक्र है जिसमें 24 तीलियां होती हैं। इस चक्र को सारनाथ में सम्राट अशोक महान के स्तम्भ से लिया गया है।

भारतीय तिरंगे का इतिहास

प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का अपना एक ध्वज होता है। यह एक स्वतंत्र देश होने का संकेत है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज को इसके वर्तमान स्वरूप में 22 जुलाई 1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा की बैठक के दौरान अपनाया गया था, जो 15 अगस्त 1947 को अंग्रेजों से भारत की स्वतंत्रता के कुछ ही दिन पूर्व की गई थी। इसे 15 अगस्त 1947 और 26 जनवरी 1950 के बीच भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में अपनाया गया और इसके पश्चात भारतीय गणतंत्र ने इसे अपनाया। भारत में 'तिरंगे' का अर्थ भारतीय राष्ट्रीय ध्वज है।

भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में तीन रंग की क्षैतिज पट्टियां हैं, सबसे ऊपर केसरिया, बीच में सफेद और नीचे गहरे हरे रंग की पट्टी और ये तीनों समानुपात में हैं। ध्वज की चौड़ाई का अनुपात इसकी लंबाई के साथ 2 और 3 का है। सफेद पट्टी के मध्य में गहरे नीले रंग का एक चक्र है। यह चक्र अशोक की राजधानी के सारनाथ के शेर के स्तंभ पर बना हुआ है। इसका व्यास लगभग सफेद पट्टी की चौड़ाई के बराबर होता है और इसमें 24 तीलियां है।

ध्वज के रंग–भारत के राष्ट्रीय ध्वज की ऊपरी पट्टी में केसरिया रंग है जो देश की शक्ति और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का प्रतीक है। निचली हरी पट्टी उर्वरता, वृद्धि और भूमि की पवित्रता को दर्शाती है।

चक्र – इस धर्म चक्र को विधि का चक्र कहते हैं जो तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व मौर्य सम्राट अशोक द्वारा बनाए गए सारनाथ मंदिर से लिया गया है। इस चक्र को प्रदर्शित करने का आशय यह है कि जीवन गतिशील है और रुकने का अर्थ मृत्यु है।

ध्वज संहिता– 26 जनवरी 2002 को भारतीय ध्वज संहिता में संशोधन किया गया और स्वतंत्रता के कई वर्ष बाद भारत के नागरिकों को अपने घरों, कार्यालयों और फैक्टरी में न केवल राष्ट्रीय दिवसों पर, बल्कि किसी भी दिन बिना किसी रुकावट के फहराने की अनुमति मिल गई। अब भारतीय नागरिक राष्ट्रीय झंडे को शान से कहीं भी और किसी भी समय फहरा सकते है। बशर्ते कि वे ध्वज की संहिता का कठोरता पूर्वक पालन करें और तिरंगे की शान में कोई कमी न आने दें। सुविधा की दृष्टि से भारतीय ध्वज संहिता, 2002 को तीन भागों में बांटा गया है। संहिता के पहले भाग में राष्ट्रीय ध्वज का सामान्य विवरण है। संहिता के दूसरे भाग में जनता, निजी संगठनों, शैक्षिक संस्थानों आदि के सदस्यों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में बताया गया है। संहिता का तीसरा भाग केन्द्रीय और राज्य सरकारों तथा उनके संगठनों और अभिकरणों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के प्रदर्शन के विषय में जानकारी देता है।

26 जनवरी 2002 विधान पर आधारित कुछ नियम और विनियमन हैं कि ध्वज को किस प्रकार फहराया जाए :

क्या करें :– राष्ट्रीय ध्वज को शैक्षिक संस्थानों (विद्यालयों, महाविद्यालयों, खेल परिसरों, स्काउट शिविरों आदि) में ध्वज को सम्मान देने की प्रेरणा देने के लिए फहराया जा सकता है। विद्यालयों में ध्वज आरोहण में निष्ठा की एक शपथ शामिल की गई है। किसी सार्वजनिक, निजी संगठन या एक शैक्षिक संस्थान के सदस्य द्वारा राष्ट्रीय ध्वज का आरोहण/प्रदर्शन सभी दिनों और अवसरों, आयोजनों पर अन्यथा राष्ट्रीय ध्वज के मान सम्मान और प्रतिष्ठा के अनुरूप अवसरों पर किया जा सकता है। नई संहिता की धारा 2 में सभी निजी नागरिकों अपने परिसरों में ध्वज फहराने का अधिकार देना स्वीकार किया गया है।

क्या न करें :– इस ध्वज को सांप्रदायिक लाभ, पर्दे या वस्त्रों के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है। जहां तक संभव हो इसे मौसम से प्रभावित हुए बिना सूर्योदय से सूर्यास्त तक फहराया जाना चाहिए। इस ध्वज को आशय पूर्वक भूमि, फर्श या पानी से स्पर्श नहीं कराया जाना चाहिए। इसे वाहनों के हुड, ऊपर और बगल या पीछे, रेलों, नावों या वायुयान पर लपेटा नहीं जा सकता। किसी अन्य ध्वज या ध्वज पट्ट को हमारे ध्वज से ऊंचे स्थान पर लगाया नहीं जा सकता है। तिरंगे ध्वज को वंदनवार, ध्वज पट्ट या गुलाब के समान संरचना बनाकर उपयोग नहीं किया जा सकता।

कुछ खाने से पहले सौ बार सोच

स्वस्थ रहने के लिए आपको हैल्दी फूड खाना चाहिए। ज्यादातर लोग भूख लगने पर कुछ भी खा लेते हैं। आप कुछ भी मुंह में डालने से पहले थोड़ा विचार करें कि क्या यह सेहत के नजरिए से अच्छा है या नहीं?

हो सकती हैं कई समस्याएं– बाजार में खाने-पीने की कई चीजें मिलती हैं। इसके अलावा कई कम्पनियां डिब्बाबंद फूड भी निकालती हैं। युवाओं के बीच इस तरह के फूड काफी लोकप्रिय हैं। कई बार तो डिब्बाबंद फूड और फास्ट फूड के चक्कर में कई आ युवा पौष्टिक भोजन भी नहीं करते और दिन भर इस तरह की चीजें खाते रहते हैं। इनसे शरीर में मोटापा, एसिडिटी, गैस और अपच जैसी समस्याएं पैदा होने लगती हैं।

बाद में दिखता है असर– युवावस्था में ही शरीर का विकास सबसे तेजी से होता है। अगर इस समय पौष्टिक चीजों का सेवन नहीं किया जाएगा तो आगे चल कर कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आज युवा पीढ़ी भोजन में पोषक तत्वों को नजरअंदाज करती रहेगी तो आने वाले समय में उसे इसके दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे। कई युवा दूध, दही और फल खाने में नाक-मुंह सिकोड़नेलगते हैं। अगर सेहत के लिए जरूरी चीजों का सेवन कम किया जाएगा तो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती जाएगी और शरीर बीमारियों का घर भी बन सकता है। बाजार में खुले में मिलने वाली चीजों के निर्माण में अच्छी क्वालिटी की सामग्री का इस्तेमाल नहीं किया जाता।

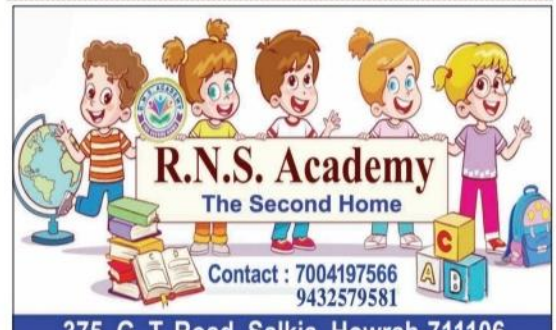

स्वत्वाधिकारी **'बात हिन्दुस्तान की'** (पाक्षिक) पत्रिका के लिए मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती सोनी कुमारी झा, 23 रामकुमार गांगुली लेन, 2रा तल्ला कमरा नं. 203, पोस्ट- बी. गार्डेन, शिबपुर, हावड़ा-711103 (प. बंगाल) फोन नं.: 8902221434 से प्रकाशित एवं चप्ला मुद्रण, 2/3/1, रामजी हजरा लेन, हावड़ा-711101 से मुद्रित, सम्पादक-**उमेश तिवारी,** फोन- 8420899919 पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी, ईमेल/वेबसाईट-www.baathindustanki@gmail.com
(Owner, Printer & Publisher of 'Baat Hindustan Ki' : Smt. Soni kumari Jha, 23, Ramkumar Ganguly Lane, 2nd floor, room no-203, PO : B.Garden, Shibpur, Howrah-711103, Mo. 9798848926 & Printed from CHAPLA MUDRAN 2/3/1 Ramji Hazra Lane, Shibpur, Howrah-711101, Editor : **Umesh Tiwari** Mo. 8420899919, Email/Website : www.baathindustanki@gmail.com)